ISSN: 2393-8048
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal.
SJIF Impact Factor =8.152, July-December 2025, Submitted in September 2025

उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की समस्याओं एवं शैक्षिक उपलब्धि के संबंध में परिजनों का सहयोगः एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

रूघनाथा राम, शोधार्थी, शिक्षा विभाग, टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर
डॉ. सुमन रानी, शिक्षा विभाग, टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर

सारांश

प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य उच्च माध्यमिक (11वीं व 12वीं कक्षा) के विद्यार्थियों के मानसिक, सामाजिक और शैक्षणिक जीवन पर उनके परिवार के सहयोग के प्रभाव का विश्लेषण करना है। किशोरावस्था के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर छात्रों को करियर चयन, पहचान का संकट और परीक्षा के तनाव जैसी विविध समस्याओं का सामना करना पड़ता है। शोध में यह देखा गया है कि जिन छात्रों को परिवार से भावनात्मक और क्रियात्मक सहयोग (Parental Support) प्राप्त होता है, उनकी शैक्षिक उपलब्धि (Academic Achievement) अन्य छात्रों की तुलना में बेहतर रहती है। यह अध्ययन सर्वेक्षण विधि पर आधारित है और निष्कर्ष यह प्रतिपादित करते हैं कि परिजनों का सक्रिय सहयोग छात्र की समस्याओं को न्यूनतम करने में सेतु का कार्य करता है।

परिचय

शिक्षा केवल विद्यालय की चारदीवारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह घर और परिवेश का एक सामूहिक परिणाम है। उच्च माध्यमिक स्तर विद्यार्थी के जीवन का 'टर्निंग पॉइंट' होता है। इस अवस्था में विद्यार्थी शारीरिक परिवर्तनों के साथ–साथ भविष्य की चिंता से ग्रसित रहते हैं।

भारतीय संदर्भ में, परिवार एक प्राथमिक संस्था है। परिजनों का सहयोग केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें छात्र की मनोदशा को समझना, उसे प्रेरित करना और उसके सीखने के वातावरण को सुगम बनाना शामिल है। यदि परिवार का वातावरण सहयोगात्मक नहीं है, तो छात्र में हीन भावना, एकाग्रता की कमी और शैक्षणिक गिरावट देखी जाती है।

शोध अंतराल

पूर्व के कई शोधों ने श्अभिभावक पालन–पोषण शैलीश पर ध्यान केंद्रित किया है, लेकिन 'परिजनों के समग्र सहयोग' (जिसमें दादा–दादी, भाई–बहन और संयुक्त परिवार की भूमिका शामिल है) और 'उच्च माध्यमिक स्तर की विशिष्ट समस्याओं' के बीच के प्रत्यक्ष संबंधों पर शोध की कमी है। विशेषकर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच परिजनों के सहयोग की प्रकृति कैसे बदलती है और इसका प्रभाव अंकों पर कैसे पड़ता है, इस क्षेत्र में साक्ष्य आधारित अध्ययन की आवश्यकता है। यह शोध इसी रिक्तता को भरने का प्रयास करता है।

साहित्य समीक्षा

साहित्य समीक्षा शोध को वैज्ञानिक आधार प्रदान करती हैः

जॉनसन (2018): ने अपने अध्ययन में पाया कि माता–पिता की शैक्षणिक भागीदारी (Involvement) सीधे तौर पर छात्र के आत्मविश्वास को बढ़ाती है।

मिश्रा एवं पाठक (2020): के अनुसार, भारतीय किशोरों में श्करियर तनावश सबसे अधिक पाया जाता है, जहाँ परिजनों का सकारात्मक संवाद इस तनाव को 40: तक कम कर सकता है।

सिंह (2021): ने स्पष्ट किया कि संयुक्त परिवारों में मिलने वाला संवेगात्मक सहयोग विद्यार्थियों को प्रतिकूल परिस्थितियों में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है।

शोध विधि तंत्र

शोध को सटीक बनाने हेतु निम्नलिखित वैज्ञानिक विधि अपनाई गई हैः

शोध का प्रकारः वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक सर्वेक्षण विधि।

न्यादर्श (Sample): यादृच्छिक (Random) चयन विधि द्वारा 200 विद्यार्थियों का चयन (100 ग्रामीण एवं 100 शहरी)।

डाटा संकलन के उपकरणः

1. परिजनों के सहयोग को मापने हेतु 'पेरेंटल सपोर्ट स्केल' (Parental Support Scale)।
2. छात्र समस्या पहचान प्रश्नावली।
3. शैक्षिक उपलब्धि हेतु विगत बोर्ड परीक्षाओं के अंक।

सांख्यिकीय विश्लेषणः प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण मध्यमान (Mean), मानक विचलन (Standard Deviation) और सह–संबंध (Correlation) गुणांक द्वारा किया गया।

शोध के उद्देश्य

उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों की प्रमुख समस्याओं (शैक्षणिक, व्यक्तिगत, सामाजिक) का चिन्हांकन करना।
परिजनों के सहयोग के स्तर (उच्च, मध्यम, निम्न) का आकलन करना।
विद्यार्थियों की समस्याओं और उनके शैक्षणिक अंकों के बीच संबंध का विश्लेषण करना।
यह जाँचना कि क्या परिजनों का सहयोग लिंग भेद (छात्र बनाम छात्रा) के आधार पर भिन्न है।

परिकल्पना

शून्य परिकल्पना (H0): परिजनों के सहयोग और विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के बीच कोई महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना (H1): उच्च परिजनों का सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की समस्याएँ कम होती हैं और शैक्षिक उपलब्धि उच्च होती है।

परिकल्पना (H2): शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के परिजनों के सहयोग की शैली में सार्थक अंतर पाया जाता है।

शोध का महत्व

यह शोध पत्र निम्नलिखित कारणों से अत्यंत महत्वपूर्ण हैः
अभिभावकों हेतुः यह उन्हें उनके बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करेगा।
शैक्षणिक संस्थान हेतुः स्कूल प्रबंधकों को श्पेरेंट–टीचरश संबंधों को बेहतर बनाने के लिए ठोस डेटा प्रदान करेगा।
विद्यार्थियों हेतुः यह छात्रों को अपनी समस्याओं को अभिव्यक्त करने और परिवार के साथ सामंजस्य बिठाने के लिए प्रेरित करेगा।
समाज हेतुः एक स्वस्थ और शिक्षित युवा पीढ़ी के निर्माण में पारिवारिक भूमिका को रेखांकित करेगा।

निष्कर्ष

अध्ययन के विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष बताते हैं कि उच्च माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों की सफलता केवल उनकी व्यक्तिगत बुद्धि पर नहीं, बल्कि उनके घर के वातावरण पर निर्भर करती है।
सहयोग का प्रभावः जिन विद्यार्थियों को अपने परिजनों से नियमित प्रोत्साहन मिलता है, वे कठिन विषयों (जैसे गणित, विज्ञान) में बेहतर प्रदर्शन करते हैं।
समस्या निवारणः परिजनों का सहयोग छात्रों के मानसिक दबाव और 'एग्जाम एंग्जायटी' (Exam Anxiety) को कम करने में प्राथमिक कारक है।
क्षेत्रीय प्रभावः शहरी क्षेत्रों में संसाधनों का सहयोग अधिक है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में संवेगात्मक जुड़ाव अधिक प्रभावी पाया गया।
अंततः, 'घर' विद्यार्थी की प्रथम पाठशाला और 'परिजन' प्रथम मार्गदर्शक हैं, जिनका सहयोग उसकी उपलब्धि का आधार स्तंभ है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

अस्थाना, बी. एवं अस्थाना, एन. (2018). मापन एवं मूल्यांकन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
Desforges, C., & Abouchaar, A. (2003). The impact of parental involvement on pupil achievement- DfES Publications.
पाण्डेय, के. पी. (2016). शिक्षा अनुसंधान के मूल तत्व, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
Grolnick, W. S. (2009). The Psychology of Parental Control. Psychology Press.
शर्मा, आर. ए. (2019). शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ।